CBSE Class 7 Social Science Important Questions Civics Chapter 5 औरतों ने बदली दुनिया

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
भारत में कितने प्रतिशत महिलाएँ खेती में काम करती हैं?
उत्तर:
83.6 प्रतिशत।

प्रश्न 2.
2011 की जनसंख्या के अनुसार महिलाओं की शिक्षा का प्रतिशत क्या है?
उत्तर:
65 प्रतिशत।

प्रश्न 3.
कुम्हार के व्यवसाय में स्त्रियों को कुम्हार क्यों नहीं माना जाता था?
उत्तर:
कुम्हार के व्यवसाय में स्त्रियाँ चूंकि चाक नहीं चलाती थीं। इसलिए उन्हें कुम्हार नहीं माना जाता था।

प्रश्न 4.
कुम्हार के व्यवसाय में स्त्रियाँ क्या-क्या कार्य करती थीं?
उत्तर:
कुम्हार के व्यवसाय में स्त्रियाँ मिट्टी एकत्र करती थीं और बर्तन बनाने के लिए उसे तैयार करती थीं।

प्रश्न 5.
खेती के कार्य में स्त्रियाँ क्या-क्या कार्य करती थीं?
उत्तर:
खेती के कार्य में स्त्रियाँ पौधे रोपना, खरपतवार निकालना, फसल काटना और कुटाई करने का कार्य करती थीं।

प्रश्न 6.
किसान के सम्बन्ध में हम एक पुरुष के बारे में क्यों सोचते हैं?
उत्तर:
पुरुष चूंकि हल चलाता है तथा अन्य सभी कार्य करता है। इसलिए किसान के सम्बन्ध में हम एक पुरुष के बारे में ही सोचते हैं।

प्रश्न 7.
रूढ़िवादी धारणाओं ने समाज में किस प्रकार के व्यवहार को बनाए रखा है?
उत्तर:
रूढ़िवादी धारणाओं ने समाज में लैंगिक असमानता के व्यवहार को बनाए रखा है।

प्रश्न 8.
वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार किस वर्ग की लड़कियों की प्राथमिक शिक्षा पूरी करने की संभावना सबसे कम होती है?
उत्तर:
मुस्लिम लड़कियों की, जो औसतन 3 वर्ष ही स्कूल जा पाती हैं।

प्रश्न 9.
महिला आंदोलनों के कोई दो उद्देश्य लिखिए।
उत्तर:

- महिलाओं में चेतना जागृत करना।
- भेदभावों का मुकाबला करना।

प्रश्न 10.
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कब मनाया जाता है?
उत्तर:
प्रति वर्ष 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।

प्रश्न 11.
यौन प्रताड़ना से क्या आशय है?
उत्तर:
यौन प्रताड़ना से आशय-औरत की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ यौन से जुड़ी शारीरिक या मौखिक हरकतें करने से है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
तीन ऐसी रूढ़िवादी धारणाओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण महिलाओं के साथ असमानता का व्यवहार प्रचलित है।
उत्तर:
लड़कियों या महिलाओं के साथ असमानता के व्यवहार के लिए उत्तरदायी तीन रूढ़िवादी धारणाएँ निम्नलिखित हैं-

- घर के बाहर भी महिलाएँ कुछ खास तरह के काम ही अच्छी तरह से कर सकती हैं।
- लड़कियाँ तथा महिलाएँ तकनीकी कार्य करने में सक्षम नहीं होती।
- लड़कियों के जीवन का मुख्य लक्ष्य शादी है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 2.
19वीं शताब्दी में शिक्षा के बारे में किन नए विचारों ने जन्म लिया?
उत्तर:
19वीं शताब्दी में शिक्षा के बारे में निम्न नए विचारों ने जन्म लिया-

- विद्यालय अधिक प्रचलन में आ गए।
- वे समाज, जिन्होंने स्वयं कभी पढ़ना-लिखना नहीं सीखा था, अपने बच्चों को स्कूल भेजने लगे।
- उस समय भी लड़कियों की शिक्षा को लेकर बहुत विरोध हुआ। इसके बावजूद, बहुत सी स्त्रियों और पुरुषों ने बालिकाओं के लिए स्कूल खोलने के प्रयत्न किए। स्त्रियों ने पढना-लिखना सीखने के लिए संघर्ष किये।

प्रश्न 3.
'अतीत में लिखना-पढ़ना कुछ ही लोग जानते थे।' क्यों?
उत्तर:
अतीत में लिखना-पढ़ना कुछ ही लोग जानते थे क्योंकि-

- अधिकांश बच्चे वही काम सीखते थे, जो उनके परिवार में होता था या उनके बुजुर्ग करते थे।
- लड़कियों को अक्षर तक सीखने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ बच्चों के लिए स्कूल जाना और पढ़ना 'पहुँच के बाहर' की बात थी या अनुचित बात मानी जाती थी।

प्रश्न 4.
महिला शिक्षा के क्षेत्र में रमाबाई के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
रमाबाई (1858-1922) महिला शिक्षा की महान योद्धा थी। उन्होंने-

- 1898 ई. में, पुणे के पास खेड़ गाँव में एक मिशन स्थापित किया, जहाँ विधवा स्त्रियों और गरीब औरतों को पढ़ने-लिखने तथा स्वतंत्र होने की शिक्षा दी जाती थी।
- यहाँ महिलाओं को लकड़ी से चीजें बनाने, छापाखाना चलाने जैसी कुशलताएँ भी सिखाई जाती थीं जो वर्तमान में भी लड़कियों को कम सिखाई जाती हैं।
- रमाबाई का मिशन आज भी सक्रिय है।